प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) द्वारा नवी मुंबई और नोएडा (जेवर) हवाई अड्डों के लिए हवाई क्षेत्र डिज़ाइन और उड़ान प्रक्रियाओं को पूर्ण किया गया।

नई दिल्ली, 07 फरवरी, 2025: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) के लिए हवाई क्षेत्र डिज़ाइन और उड़ान प्रक्रियाओं के सफल समापन की घोषणा की है। यह उपलब्धि जटिल हवाई क्षेत्र संरचनाओं के प्रबंधन में भाविप्रा की विशेषज्ञता को दर्शाती है, विशेष रूप से उन हवाई अड्डों के लिए जो देश के सबसे व्यस्त विमानन केंद्रों के निकट स्थित हैं। इन नए हवाई अड्डों पर प्रचालन दक्षता को बढ़ाने के क्षेत्र में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में दुनिया के सबसे गतिशील विमानन बाजारों में भाविप्रा के वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है।

भारत के दिक्संचलन सेवा प्रदाता (एएनएसपी) के रूप में भाविप्रा को देशभर में दिकसंचलन सेवाओं के प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है, जिसमें नवी मुंबई और नोएडा (जेवर) के आने वाले हवाई अड्डे भी शामिल हैं। भाविप्रा के हवाई क्षेत्र और उड़ान प्रक्रिया डिज़ाइन टीम ने नवी मुंबई और नोएडा अंतरराष्ट्रीय (जेवर) हवाई अड्डा परियोजनाओं के लिए हवाई क्षेत्र और इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट प्रक्रियाओं (आईएफ़पीएस) को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। इन प्रक्रियाओं को उड़ान दक्षता को अनुकूलित करने, उत्सर्जन को प्रभावी रूप से कम करने, मील को ट्रैक करने और दिल्ली-मुंबई हवाई गलियारों से गुजरने वाली दैनिक उड़ानों की उड़ान के समय को ट्रैक करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने मेसर्स बोइंग इंडिया के साथ सहयोग किया, जिसने व्यापक सिमुलेशन और संघर्ष विश्लेषण के माध्यम से अमूल्य सहायता प्रदान की। बेंगलुरु में मैसर्स बोइंग के टोटल एयरस्पेस और एयरपोर्ट मॉडलर (टीएएएम) का उपयोग करते हुए, मानक इंस्ट्रूमेंट डिपार्चर और मानक टर्मिनल आगमन सहित इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट प्रक्रियाओं का विकास व सत्यापन और बेहतर बना है।

श्री विपिन कुमार, अध्यक्ष, भाविप्रा ने कहा कि "भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) और बोइंग इंडिया के बीच चल रही रणनीतिक साझेदारी के संदर्भ में बोइंग के विशेषज्ञों ने भाविप्रा फ्लाइट प्रक्रिया डिज़ाइन टीम के साथ मिलकर जेवर (नोएडा) और नवी मुंबई में विकसित हो रहे नए हवाई अड्डों के लिए आगमन और प्रस्थान प्रोटोकॉल का मूल्यांकन कर इसकी पुष्टि की है। इस संयुक्त प्रयास के चलते ही इन नए हवाई अड्डों के प्रचालन को दिल्ली आईजीआई और मुंबई सीएसएमआईए हवाई अड्डों पर मौजूदा प्रचालन के साथ सुरक्षित और कुशल एकीकरण संभव हो पाया है। दोनों टर्मिनल क्षेत्रों में हवाई यातायात में अनुमानित वृद्धि का प्रबंधन इस तरह से किया जाएगा कि ईंधन की बचत हो और एयरलाइनों की मीलों तक निगरानी हो, साथ ही हवाई यातायात नियंत्रकों का कार्यभार भी कम हो और पड़ोसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विमानों के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहे। यह पहल दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर पर परिचालन के विस्तार के प्रारंभिक चरण का प्रतीक है, जो आने वाले वर्षों में एक आधुनिक मेट्रोप्लेक्स समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा।"

इन इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट प्रक्रियाओं (आईएफ़पीएस) का एक घरेलू एयरलाइन ऑपरेटर द्वारा सफल उड़ान सत्यापन हो चुका है और इनके कार्यान्वयन के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) भारत से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। इन प्रक्रियाओं से भारत के व्यस्ततम हवाई गलियारों में हवाई यातायात संचालन की दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह उपलब्धि न केवल नए हवाई अड्डों पर परिचालन दक्षता में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत पहल के प्रति भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) की प्रतिबद्धता के भी अनुरूप है। उन्नत तकनीक के माध्यम से स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा देकर भाविप्रा, भारत के विमानन उद्योग के सुदृढ़ विकास में निरंतर सहयोग कर रहा है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी
विवरण के लिए महाप्रबंधक (नि.सं.) से कृपया संपर्क करें: 011-20818228
प्रेस विज्ञप्ति संख्या: 28/2024-2025